RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 137
दि. 16.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के पूर्णिया को 36 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया

(जीएनएस)। बिहार चुनाव 2025 से पहले 15 सितंबर (सोमवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने करोड़ों की लागत से बने पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के पूर्णिया को 36 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया है। इसका उद्देश्य पूर्णिया क्षेत्र को प्रगति और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी सीधे जनसभा को संबोधित करने के लिए मंच पर पहुंचे। यहां पर पीएम मोदी का भाजपा समर्थकों और पूर्णिया की जनता ने मोदी जिंदाबाद के नारे लगाकर भव्य स्वागत किया। हालांकि मंच पर पहुंचते ही देश के प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर पूर्णिया की जनता से माफी मांगी। आइए जानते हैं आखिर क्या वो

वजह थी कि जो पीएम मोदी को माफी मांगनी पड़ी?

दरअसल, पीएम मोदी पूर्णिया में जनसभा कार्यक्रम में अपने निर्धारित समय से थोड़ी देरी से पहुंचे जिसके लिए उन्होंने माफी मांगी। बिहारी भाषा में प्रमाण करके अपने भाषण शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा- 'सबसे पहले मैं आप सभी से क्षमा चाहता हूं। कोलकाता में मेरा कार्यक्रम थोड़ा लंबा हो गया, और इस वजह से मुझे यहाँ पहुंचने में देर हो गई। इसके बावजूद आप लोग इतनी बड़ी संख्या में हमें आशीर्वाद देने आए। आप इतने लंबे समय तक रुके। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।"

पीएम मोदी के ये कहते ही महिलाएं और पुरुष हाथों में तिरंगा लहराते हुए खुशी जताते हुए नजर आईं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी सरकार दोबारा सत्ता में आती है, तो अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

यह घोषणा विशेष रूप से बिहार के युवाओं के लिए की गई है, जहां रोजगार एक प्रमुख मुद्दा रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार का ध्यान देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने पर है।

संक्षिप्त समाचार

केरल हाई कोर्ट : 25 साल पुराने महिला आईएफएस शील भंग मामले में पूर्व मंत्री बरी

केरल उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में पूर्व वन मंत्री नीलालोहितदासन नादर को 1999 के शील भंग मामले में बरी कर दिया। यह मामला, जो पिछले 25 साल से

कानूनी जंग का हिस्सा था, सोमवार को न्यायमूर्ति कौसर एडापगथ की एकल पीठ ने सुनवाई के बाद समाप्त कर दिया। कोझिकोड में एक महिला भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी ने नादर पर शील भंग का आरोप लगाया था, जिसके बाद यह केस सुर्खियों में आया था। 1999 में कोझिकोड के सरकारी गेस्ट हाउस में हुई एक घटना को लेकर महिला IFS अधिकारी ने नादर पर गंभीर आरोप लगाए थे।

गाजीपुर बीजेपी कार्यकर्ता की मौत के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने परिवार से की मुलाकात, एसआईटी करेगी जांच

(जीएनएस)।

लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर गाजीपुर में पुलिस लाठीचार्ज में मारे गए भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय के भाई और पिता से मुलाकात की। इस दौरान विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से कहा कि सरकार आपके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि घटना की निष्पक्ष जांच एसआईटी कर रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने परिजनों से कहा कि सरकार उनकी हिफाजत के लिए हर संभव कदम उठा रही है। परिजन पहले ही आर्थिक सहायता लेने से इनकार कर चुके हैं।

घटना ने राजनीतिक और सामाजिक माहौल को भी तनावपूर्ण कर दिया है। सियाराम उपाध्याय की

मौत के बाद से भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता और लोग आक्रोशित हैं। पुलिस कार्रवाई के तरीकों और प्रशासन के कदमों पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

सियाराम उपाध्याय का शव बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे पोस्टमार्टम के लिए दो डॉक्टरों के पैनल को सौंपा गया। पोस्टमार्टम में करीब दो घंटे तक वीडियोग्राफी और निरीक्षण हुआ। रिपोर्ट में हृदय गति रुकने से मौत की पुष्टि की गई है, लेकिन सिर पर गंभीर चोट के निशान भी पाए गए।

इसके अलावा दाहिनी कोहनी व पीठ के नीचे दाहिनी तरफ और बाएं पैर में चोट के निशान मिले। पोस्टमार्टम पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के परिजन और स्थानीय लोग इस कार्रवाई के प्रति नाराज हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं।

घटना के दिन यानी नौ सितंबर को कुछ लोग नोनहरा थाने पहुंचे और जनसमस्याओं के समाधान के लिए धरने पर बैठ गए थे। आरोप है कि रात करीब डेढ़ बजे बिजली बंद कर पुलिस ने धरने पर बैठे लोगों पर लाठीचार्ज किया। इस कार्रवाई में छह से अधिक लोग घायल हुए।

आयकर विभाग ने आईटीआर दाखिल करने की बढ़ाई समय सीमा

आयकर विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। आईटी रिटर्न भरते की पहले

आखिरी तारीख 15 सितंबर थी जिसे अब बढ़ाकर 16 सितंबर कर दिया गया है। यानी आईटी रिटर्न भरने के लिए एक और दिन मिल गया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को यह घोषणा की। पहले यह समय सीमा 15 सितंबर, सोमवार को समाप्त हो रही थी, जिसे अब मंगलवार, 16 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की देहरादून-बेंगलुरु हवाई सेवा शुरू, निवेश, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा नया आयाम: सीएम धामी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून से एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा देहरादून-बेंगलुरु के लिए शुरू की जा रही नई हवाई सेवा का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के समग्र विकास और हवाई संपर्क विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उत्तराखंड में नई पहल के साथ देश की पहली अंतरराष्ट्रीय वैल्यू कैरियर एअर इंडिया एक्सप्रेस ने देहरादून हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए दैनिक सीधी उड़ानों की शुरूआत के साथ परिचालन शुरू कर दिया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा देहरादून से एअर इंडिया एक्सप्रेस सेवाओं की शुरूआत हमारे राज्य में नागरिक उड्डयन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की देहरादून और बेंगलुरु के बीच सीधी हवाई सेवा उत्तराखंड के युवाओं, उद्यमियों, आईटी प्रोफेशनल्स, छात्रों और पर्यटकों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु देश की तकनीकी राजधानी है और वहां उत्तराखंड के हजारों युवा शिक्षा, सेवा और स्टार्टअप क्षेत्रों में कार्यरत हैं। अब उन्हें राज्य आने-जाने के लिए और अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध और सुरक्षित विकल्प मिलेगा।

इस अवसर पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा: हमें देहरादून से परिचालन शुरू करके खुशी हो रही है, यह हमारा 58वां स्टेशन है।

हम अपने सबसे बड़े घरेलू केंद्र, बेंगलुरु के लिए दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कर रहे हैं। यह अहमदाबाद और चंडीगढ़ के बाद इस महीने लॉन्च किया गया तीसरा नया स्टेशन है, जो हमारे नेटवर्क के तेजी से विस्तार को रेखांकित करता है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जानकारी दी कि देहरादून -बेंगलुरु की पहली उड़ान देहरादून से 16:30 बजे रवाना हुई और 19:30 बजे बेंगलुरु पहुंची।

भानवी सिंह का आरोप, राजा भैया के पास अवैध और घातक हथियारों का जखीरा, पीएमओ से की शिकायत

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिला है। बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने प्रधानमंत्री कार्यालय में गंभीर आरोपों के साथ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस बार भी राजा भैया को लेकर ही शिकायत किया है।

भानवी सिंह ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उनके पति के पास खतरनाक और अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा है। इनमें कुछ हथियार ऐसे भी हैं जो आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। यही वजह है कि उन्होंने सीधे पीएमओ से मदद की गुहार लगाई।

ुॅल्ल५ ॠल्लॅ ूङ्मस्र'ल्ल३ ३ङ्ग स्रेङ्ग

इस मामले पर पीएमओ ने भी संज्ञान लिया और शिकायत गृह मंत्रालय को भेज दी। बताया जा रहा है कि इस मामले में अब मंत्रालय

जांच करेगा और पूरी रिपोर्ट तैयार करेगा। शिकायत के बाद एक बार फिर राज भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह की चर्चा शुरू हो गई है।

भानवी सिंह ने शिकायत में लिखा है कि राजा भैया ने कई बार उन्हें धमकाया और उनके लाइसेंसी हथियार भी छीन लिए। उनका यह भी दावा है कि एक मौके पर कमरे के अंदर गोली चलाई गई जिसमें उनकी छोटी बेटी बाल-बाल बची।

उन्होंने कहा कि राजा भैया के पास नाटो ग्रेड की जिगाना पिस्टल और ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल जैसे हथियार हैं। भानवी का आरोप है कि ऐसे हथियार किसी भी वक्त जन सुरक्षा को चुनौती दे सकते हैं।

पहले भी सीबीआई तक पहुंची थीं

यह पहला मौका नहीं है जब भानवी सिंह ने आवाज उठाई हो। इससे पहले भी वह पूरे मामले की जानकारी सीबीआई निदेशक को दे चुकी हैं। उन्होंने वहां भी साफ कहा था कि यह मुद्दा केवल पति-पत्नी का विवाद नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

उनका कहना है कि उनके आरोपों की गंभीरता को समझते हुए इसे उच्च स्तर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने पीएमओ से भी यही उम्मीद जताई है कि न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और जांच में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर पहुँची सरदार सम्मान यात्रा का स्वागत किया

गांधीनगर, 15 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अखंड भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल

की 150वीं जयंती अंतर्गत बारडोली से सोमनाथ तक के लिए आयोजित हुई सरदार सम्मान यात्रा का गांधीनगर पहुँचने पर स्वागत किया और सरदार साहब की भाव वंदना की।

इस अवसर पर मंत्री श्री राघवजीभाई पटेल, सांसद श्री एच. एस. पटेल, नरहरिभाई अमीन, विधायक श्री कौशिकभाई वेकरिया, श्री जे. वी. काकडिया, श्री जनकभाई तळाविया, प्रदेश महासचिव श्री रजनीभाई, उपाध्यक्ष श्री गोरधनभाई झडफिया, गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन, जिला पंचायत अध्यक्षश्री शिल्पाबेन, शहर अध्यक्ष श्री आशिष दवे, बड़ी संख्या में नागरिक, सहकारी, सामाजिक, स्वैच्छिक संस्थाओं के अग्रणी तथा स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी सहभागी हुए।

सिंहस्थ 2028 के विकास कार्यों के लिए सभी का मिल रहा है समर्थन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ : 2028 के विकास कार्यों के लिए हमें सभी का समर्थन मिल रहा है। विकास के क्रम को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सबके हितों का ध्यान रखते हुए और सभी से संवाद करते हुए राज्य सरकार लैंड पूलिंग सहित सभी प्रकार के विकास कार्यों के मार्ग पर अग्रसर हो रही है। प्रयागराज महाकुंभ के ऐतिहासिक आयोजन में करोड़ों लोगों के आगमन, व्यवस्था और उनके सुरक्षा प्रबंधन के दृष्टिगत केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने स्थायी संरचनाओं के विकास पर बल दिया, इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिला। उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के लिए स्थायी निर्माण के संबंध

में किसानों से संवाद जारी है, हम किसी को नाराज नहीं करना चाहते, राज्य सरकार सभी को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास का क्रम निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीडिया से चर्चा में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास में अब तक के सबसे बड़े सिंहस्थ मेले का आयोजन उज्जैन में वर्ष-2028 में होने जा रहा है। वर्तमान में उज्जैन की अर्थव्यवस्था में महाकाल लोक बनने से भारी वृद्धि हुई है। सिंहस्थ के आयोजन से उज्जैन का आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकास होने से पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। उज्जैन सिंहस्थ में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की आशा है। सिंहस्थ आयोजन का गौरवशाली इतिहास रहा है, राज्य शासन वर्ष 2028 के सिंहस्थ का आयोजन आस्था, गरिमा और भव्यता के साथ करने के लिये कृत संकल्पित है।

पीएम की कार्यशैली से प्रेरित मुख्यमंत्री धामी ने साझा किया संस्मरण, कहा-सच्चा नेतृत्व केवल उपदेश देने में नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने में होता है

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को एक भावुक श्रद्धांजलि दी, जिसमें व्यक्तिगत किस्सों के

माध्यम से उनके समर्पण और नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला गया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक प्रेरणादायक संस्मरण साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री की अनुशासनप्रियता, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को रेखांकित करते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी जी की कार्यशैली को नजदीक से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हर मुलाकात उनके लिए एक नया पाठ होती है—अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना से ओतप्रोत।

अपने संस्मरण में मुख्यमंत्री ने वाराणसी का एक प्रसंग साझा किया, जब भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक देर रात 1 बजे समाप्त हुई थी। सभी नेता थक चुके थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा, "अभी एक जरूरी काम बाकी है।" प्रधानमंत्री ने बताया कि वे अपने संसदीय क्षेत्र में दिन में निरीक्षण से जनता को असुविधा नहीं देना चाहते, इसलिए रात में ही विकास कार्यों का जायजा लेते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि उस रात प्रधानमंत्री मोदी सड़कों पर परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहे और सुबह 9 बजे फिर से बैठक में उसी ऊर्जा और एकाग्रता के साथ उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व केवल उपदेश देने में नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने में होता है। उनका समर्पण और कार्यशैली सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सम्पादकीय

पाक से मैच को लेकर बवाल

एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलने पर भारत में राष्ट्रवादी विचार के लोगों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ-साथ सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। सोशल मीडिया पर लोग मैच के साथ-साथ एशिया कप के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। विरोध करने वाले इस मैच को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिजनों का अपमान बताते हुए सीधे सरकार से पूछ रहे हैं कि जब पाकिस्तान 1993 में एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है, तो भारत क्यों नहीं? सरकार से पूछा जा रहा है कि आखिर 1986 में श्रीलंका की मेजबानी में खेले जाने वाले एशिया कप के मैच का बहिष्कार तो भारत ने भी किया था। असल में उस वक्त एलटीटीई की सक्रियता के कारण भारत सरकार ने बीसीसीआई को एशिया कप से दूर रहने का निर्देश दिया। उस वक्त मात्र तीन टीमें श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने खेला और खिताब श्रीलंका ने जीता था।

जबकि 1993 में जब पाकिस्तान ने एशिया कप का बहिष्कार किया तब तो मैच ही स्थगित हो गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी तो रहती ही है। 1995 जब एशिया कप बहाल हुआ तो वह संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में संपन्न हुआ।

दरअसल भारत का ऑपरेशन सिदूर यदि स्थगित मात्र हुआ है और पाकिस्तान को केंद्र सरकार अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आतंकिस्तान साबित करने पर तुली है। आतंकवादियों के वित्त पोषण के खिलाफ फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानि एफएटीएफ जाने की बात कर रहा है लेकिन उसके साथ मैच खेलने में भारत सरकार को कोई आपत्ति नहीं दिख रही है। विरोध करने वाले बीसीसीआई की भी खिचाई कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर उसे कितने पैसे कमाने हैं? विरोध करने वाले हैरानी व्यक्त करते हुए क्रिकेट की इस संस्था की इस बात के लिए आलोचना कर रहे हैं कि आखिर उसके लिए पहलगाम के पीड़ितों और सेना के जवानों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण पैसा कैसे हो गया! मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में वरिष्ठ सदस्य असदुद्दीन ओवैसी और राज्यसभा में शिवसेना (उद्धव गुट) की सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार से आग्राह किया था कि वह बीसीसीआई से एशिया कप से दूर रहने का निर्देश दें। लेकिन मजे की बात तो यह है कि भाजपा और कांग्रेस के सदस्यों ने सरकार से एशिया कप में भारत के खेलने पर विरोध नहीं किया। सरकार ने भी गंभीरता से ओवैसी और प्रियंका के विरोध और आग्राह को नहीं लिया। परिणाम यह हुआ कि बीसीसीआई ने अपने स्वायत्तशासी संस्था होने का एहसास दिलाते हुए इस विरोध को अनसुना करके एशिया कप में भाग लेने पर अड़ी रही।

बहरहाल जो लोग एशिया कप में भारत की टीम का पाकिस्तान के साथ खेलने का विरोध कर रहें है उनका मात्र एक ही तर्क है कि जब भारत ने पाकिस्तान के साथ सारे संबंधों को तोड़ रखा है तो बीसीसीआई मैच खेलने के लिए तैयार क्यों हो जाती है? राष्ट्रवाद के प्राति समर्पित जो लोग पाकिस्तान के साथ खेलने का विरोध कर रहे हैं, वे मात्र भावनात्मक आधार पर फैसले लेने की मांग कर रहे हैं। किन्तु क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय संगठन यानि आईसीसी अर्थात अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सन्नियमों से बंधे बीसीसीआई के सामने भी विकल्प बहुत सीमित होते हैं। यदि भारत एशिया कप में भाग नहीं लेगा तो उसको विश्वकप में खेलने से वंचित होना पड़ सकता है। भारत यह मैच न तो पाकिस्तान में खेल रहा है और न ही उसकी टीम के साथ अपने देश के किसी स्टेडियम में खेल रहा है बल्कि यह मैच तो एक तीसरे देश यानि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलने का फैसला किया गया है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तो ऐसे टंटे कभी समाप्त होने वाले नहीं हैं, इसलिए यदि बीसीसीआई ने क्रिकेट प्रोमियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए क्रिकेट मैच खेलने का फैसला कर ही लिया तो इसमें इतना हायतौबा मचाने की खास जरूरत नहीं है। जितने राष्ट्र भक्त इस मैच का विरोध करने वाले हैं, उससे कम राष्ट्रभक्त वे क्रिकेट प्रोमी और बीसीसीआई के सदस्य नहीं जो क्रिकेट और राजनीति को अनावश्यक मानते हैं।

गुजरात और मेवाड़ी संस्कृति के संगम से उठी आनंद की हिलोरें

'वाइब्रेंट गुजरात' कल्चरल प्रोग्राम में उमड़े उदयपुराइटस

कार्यक्रम में दिखी गुजरात की कला, संस्कृति, व्यंजन और परंपरा की झलक

गांधीनगर, 15 सितंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारत विजनह्ल के तहत ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्ल की भावना को आगे बढाते हुए गुजरात और राजस्थान के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान के उद्देश्य से रविवार को उदयपुर के फील्ड क्लब परिसर में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात कल्चरल प्रोग्राम 2025 में संस्कृतियों का अनूठा संगम देखने को मिला। गुजराती और मेवाड़ी संस्कृति के संगम से आनंद की ऐसी हिलोरे उठीं कि हर कोई मन की गहराई तक भीग सा गया।

गुजरात सरकार का टूरिजम कॉर्पोरेशन ऑफ गुजरात लिमिटेड की मेजबानी में आयोजित अपनी तरह के इस पहले और अनूठे कार्यक्रम का शुभारंभ पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। गुजरात के पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, गुजरात के पर्यटन सचिव राजेंद्र कुमार, गुजरात पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभव जोशी, पूर्व मंत्री हरीश राजानी, समाजसेवी गजपालसिंह आदि विशिष्ट अतिथि रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग परंपरागत पोशाकों में पहुंचे। किसी ने गुजरात के लोक जीवन को दशार्ती चणिया चौली और केडियू व चोर्ना धारण किया तो कुछ लोग राजपूताना के गौरव का प्रतिनिधित्व करते धोती-कुर्ता और मेवाड़ी पाग या मारवाड़ी साफे के साथ अलग ही छटा बिखेरी। गुजरात के पंपरागत लोक गीतों और लोक नृत्य की धुनों पर थिरकते कदम एक भारत-श्रेष्ठ भारत का दिग्दर्शन कराते से प्रतीत हुए।

लोक संस्कृति ने बांधा समां

उत्सव के विधिवत शुभारंभ के साथ ही लोक संस्कृति की रंगत बिखरने लगी। प्रारंभ में आकर्षक पारंपरिक गुजराती लोक प्रदर्शन हुआ। इसमें तलवार रास, गोफ गुंथन और मणियारो रास की प्रस्तुतियों ने मंत्र मुग्ध कर दिया। जैसे ही राजस्थान की आत्मा घूमर नृत्य प्रारंभ हुआ तो मानो पूरा परिसर ही सांस्कृतिक समागम का प्रतिबिम्ब ही बन गया। मनमोहक प्रस्तुति के बाद, जाने माने पार्श्व गायक पार्थिव गोहिल ने गुजरात के परंपरागत लोक गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सभी को मानो सम्मोहित सा कर दिया।

गुजराती व्यंजनों का लिया लुत्फ

आयोजन के दौरान परंपरा गुजराती व्यंजनों की भी स्टॉल्स सजाई गई। इसमें लोगों को गुजरात के लजीज परंपरागत व्यंजन खमण-ढोकला, फाफड़ा सहित कई तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाने का अवसर मिला।

सांस्कृतिक विरासत को मिलेगी मजबूती

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उदयपुर जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगर में वाइब्रेंट गुजरात कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन हम सबके लिए गर्व का विषय है। उदयपुर, जिसे झीलों की नगरी कहा जाता है, और गुजरात, जिसे जीवंत संस्कृति व समृद्ध धरोहर के लिए जाना जाता है, दोनों का संगम अपने आप में अद्भुत है। इस तरह के कार्यक्रम हमारी संयुक्त सांस्कृतिक विरासत को और मजबूत करेंगे। साथ ही भारत को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेंगे।

श्री कटारिया ने कहा कि गुजरात सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से कलाकारों के माध्यम से दोनों राज्यों को जोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता और संस्कृति में है। यह विविधता ही हमें दुनिया के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करती है। गुजरात हो या राजस्थान हमारे त्योहार, हमारी नृत्य परंपराएँ, लोकगीत, खानपान और शिल्पकला, पूरी दुनिया को भारतीय ससंस्कृति की झलक दिखाते हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन विकास और आर्थिक सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम उसी कड़ी का हिस्सा है, जो यह संदेश देता है कि पर्यटन सिर्फ. आर्थिकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता का माध्यम भी है।

गुजरात के पर्यटन मंत्री श्री मुलुभाई ने कहा कि राजस्थान और गुजरात का रिश्ता बहुत गहरा है। खान पान रहन-सहन एवं परंपराओं में इसकी झलक मिलती है । आज के इस आयोजन में गुजरात के खानपान का स्वाद भी है तो परंपरागत गरबे की झलक भी। यह आयोजन दोनों राज्यों के बीच के अटूट संबंध को और भी गहरा करेगा।

सिंधिया ने की 11 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा, एलिवेटेड रोड, अंबेडकर धाम के लिए तय की समयसीमा

मध्य प्रदेश के ग्वालियर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को ग्वालियर कलेक्ट्रेट में आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने जिले और संभाग की 11 प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और प्रत्येक के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की।

एलिवेटेड रोड, अंबेडकर धाम, रेलवे स्टेशन नवीनीकरण, और आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए सिंधिया ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में और सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ पूरे हों।

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में ग्वालियर और मध्य प्रदेश विकास की नई कहानी गढ़ रहा है।" यह बैठक और साइट निरीक्षण ग्वालियर को एक आधुनिक, समृद्ध, और सांस्कृतिक रूप से जीवंत शहर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आइए, इस समीक्षा, परियोजनाओं के विवरण, और उनके संभावित प्रभावों की पूरी कहानी जानते हैं।

समीक्षा बैठक: विकास को गति देने का संकल्प

ग्वालियर कलेक्ट्रेट में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रभारी मंत्री, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधि, और कॉन्ट्रैक्टर्स शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति देखी और अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि कोई भी कार्य समयसीमा से पीछे न रहे। उन्होंने खास तौर पर उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जो लंबे समय से अटकी थीं और जिनके कारण स्थानीय लोगों को असुविधा हो रही थी।

सिंधिया ने कहा, "ग्वालियर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र है। यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं। आधारभूत ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, और स्वच्छता से जुड़ी परियोजनाओं को गति देना समय की मांग है।" उन्होंने गुणवत्ता पर किसी भी तरह का समझौता न करने की चेतावनी दी, ताकि ग्वालियर को आने वाले वर्षों में एक आदर्श जिला बनाया जा सके।

लंबित परियोजनाओं पर सख्ती, समयसीमा तय

बैठक में सिंधिया ने उन परियोजनाओं का विशेष रूप से संज्ञान लिया, जो वर्षों से लंबित थीं। इन परियोजनाओं के कारण स्थानीय निवासियों को ट्रैफिक जाम, पेयजल संकट, और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की और अधिकारियों को जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंधिया ने कहा, "नागरिकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। कोई भी परियोजना अनावश्यक देरी का शिकार नहीं होनी चाहिए।"

सीएम की कुर्सी और सीट शेयरिंग को लेकर आरजेडी व कांग्रेस के बीच शुरू हुई तकरार

(जीएनएस)। बिहार में विपक्षी INDIA महागठबंधन में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। आगामी विधानसभा चुनावों में सीट बंटवारे और मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के बीच मतभेद तेज हो गया है।

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए हाल ही में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव साथ में सड़कों पर रैली की थी लेकिन अब सीएम और सीट शेयरिंग को लेकर दोनों पार्टियों में जंग छिड़ चुकी है। गतिरोधपूर्ण बातचीत और नेतृत्व की चाह के चलते गठबंधन की एकता पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ।

हालिया विवाद औरंगाबाद जिले की कुटुंबा विधानसभा सीट से उठा, जहां बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने शनिवार को महागठबंधन के कार्यकताओं की बैठक बुलाई। हालांकि, आरजेडी के प्रखंड और जिला अध्यक्षों के साथ-साथ पूर्व विधायक सुरेश पासवान ने बिना कोई कारण बताए इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। इसके बाद आरजेडी नेताओं ने सोमवार को पासवान के नेतृत्व में अपनी एक रणनीति बैठक आयोजित की, जिसमें चुनावी योजनाओं पर चर्चा की गई।

सुरेश पासवान, जिन्होंने 2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में राजद विधायक के रूप में कुटुंबा सीट जीती थी और तत्कालीन राजद सरकार में मंत्री भी रहे थे, ने पार्टी कार्यकताओं को एकजुट करने के लिए इस मंच का उपयोग किया। ये इंडिया गठबंधन में शामिल दोनों पार्टियों के बीच तनाव का बड़ा संकेत हैं।

सीएम के चेहरे को लेकर बढ़ी तकरार

ये ऐसे समय में हो रहा है जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने पिछले सप्ताह यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि क्टख्र्क्ष ब्लॉक के मुख्यमंत्री का चेहरा "बिहार की जनता तय करेगी"। इस टिप्पणी ने राजद को नाराज कर दिया है, क्योंकि वह अपने नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को गठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाना चाहती है।

तेजस्वी यादव खुद को बता चुके हैं असली सीएम

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, सार्वजनिक मंचों पर खुद को "असली सीएम" के रूप में पेश कर रहे हैं। वे नीतीश कुमार को "दृष्टिविहीन नेता" और "डुप्लीकेट सीएम" कहकर निशाना साधते रहे हैं, यहां तक कि राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेस के दिग्गजों की मौजूदगी में भी।

मामले को और बढ़ाते हुए, तेजस्वी ने 13 सितंबर को मुजफ्फरपुर के कांटी में एक कार्यकर्ता रैली को संबोधित करते हुए कहा, "इस बार तेजस्वी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। चाहे वह कांटी हो, मुजफ्फरपुर हो या गायघाट हो, तेजस्वी हर जगह से चुनाव लड़ेंगे। मैं आप सभी से तेजस्वी को वोट देने की अपील करता हूं। वह बिहार को आगे ले जाने की दिशा में काम करेंगे।"

उन्होंने आगे जोर दिया, "हम वापस आएंगे। यह याद रखें - तेजस्वी सभी 243 सीटों पर मैदान में होंगे।" उन्होंने एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट कार्रवाई का आह्वान किया। राजनीतिक विश्लेषक इसे तेजस्वी का एक रणनीतिक कदम मानते हैं, जिसका उद्देश्य गठबंधन के भीतर अपनी स्थिति को मजबूत करना और सहयोगियों, विशेषकर कांग्रेस पर दबाव डालना है।

कांग्रेस 60-70 सीटों की मांग कर रही है, जो 2020 में लड़ी गई 70 सीटों के समान या उससे अधिक है।

अडानी एंटरप्राइजेज को मिला केदारनाथ धाम रोपवे बनाने का एलओयू, 9 घंटे का सफर 36 मिनट में होगा पूरा

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में सोनप्रयाग को केदारनाथ से जोड़ने वाली रोपवे परियोजना के निर्माण के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) को एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रेक्ट मिला है। कंपनी ने खुलासा किया है कि नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड से इस प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (LoA) मिला है।

यह परियोजना अडानी पोर्टफोलियो की प्रमुख इन्क्यूबेटर कंपनी एईएल के रोड्स, मेट्रो, रेल और वाटर (आरएमआरडब्ल्यू) डिवीजन द्वारा पूरी की जाएगी। इस परियोजना में अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड 4081 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश करने जा रही है। यह रोपवे केदारनाथ धाम तक पहुँचने को और भी सुगम बनाएगा, जिससे तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी।

यह 12.9 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना एक बार चालू होने के बाद तीर्थ यात्रा के समय को काफी कम कर देगी। वर्तमान में इस कठिन यात्रा में 9 घंटे का समय लगता है, जो घटकर मात्र 36 मिनट रह जाएगा, जिससे यह यात्रा अधिक सुलभ और सुरक्षित बन जाएगी। यह रोपवे प्रति घंटे प्रति दिशा 1,800 यात्रियों को ले जाने में सक्षम होगा, जिससे सालाना लाखों तीर्थयात्रियों को सुविधा मिलेगी।

तीर्थयात्रियों को होगी सुविधा

केदारनाथ धाम में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री आते हैं, इससे उनकी यात्रा आसान होगी। यह पहल न केवल लाखों तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा के समय और सुरक्षा को बढ़ाएगी, बल्कि स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। यह रोपवे राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम - पर्वतमाला परियोजना का एक हिस्सा है।

कितने समय में पूरा होगा ये प्रोजेक्ट?

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जा रही इस परियोजना को पूरा होने में छह साल लगेंगे, और निर्माण के बाद एईएल इसे 29 वर्षों तक संचालित करेगी। कनेक्टिविटी में सुधार के अलावा, इस परियोजना से क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होने और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिन का 1 रुपया कमाने वालीं पाबीबेन रबारी आज सैकड़ों महिलाओं को दे रही हैं रोजगार, कच्छ की हस्तकला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिलाई ख्याति

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में पाबीबेन रबारी जैसी स्वाभिमानी-उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा प्रकाशित होगी

कच्छ के छोटे-से गाँव की पाबीबेन रबारी आज विख्यात एंटरप्रिन्योर हैं, शार्क टैंक इंडिया में मिला है 50 लाख रुपए का फंड

गांधीनगर, 15 सितंबर :गुजरात में कच्छ जिला कला एवं हस्तकला के विषय में हमेशा अग्रसर रहा है। कच्छ के कुकडसर गाँव में जन्मीं पाबीबेन रबारी ने हस्तकला क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है और रबारी भरतकाम (कशीदाकारी) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। चौथी कक्षा में पढ़ाई अधूरी छोड़ देने वालीं पाबीबेन आज सफल एंटरप्रिन्योर हैं तथा अनेक महिलाओं को रोजगार के अवसर दे रही हैं। गुजरात की ऐसी ही स्वाभिमानी-उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में झलकेगी और अन्य महिलाओं को प्रेरित करेगी।

दिन का 1 रुपया कमाने वालीं पाबीबेन आज विख्यात एंटरप्रिन्योर

कच्छ की कर्मवीर के रूप में विख्यात पाबीबेन का जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। पाँच वर्ष की आयु में पिता को खोने के बाद वे माता के साथ पानी भरने का काम करती थीं। इसके लिए उन्हें 1 रुपया वेतन मिलता था। हालाँकि पाबीबेन ने चुनौतियाँ स्वीकार कर कम आयु से ही कशीदाकारी (भरतकाम) सीखना शुरू किया और वे इस कला में पारंगत बनीं। एक समय पाबीबेन केवल एक रुपया कमाती थीं और आज वे स्रुीॅल्ल्ूङ्क (पाबी डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड) नामक एक वेबसाइट चलाती हैं। हस्तकला क्षेत्र में आज यह वेबसाइट विख्यात नाम है और पाबीबेन 300 से अधिक महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। हाल ही में उन्हें शार्क टैंक इंडिया में 50 लाख रुपए का फंड मिला है। शार्क टैंक इंडिया में उन्होंने परंपरागत रबारी भरतकाम तथा ई-कॉमर्स का अनूठा मिश्रण प्रदर्शित कर सबका ध्यान खींचा था।

पाबीबेन अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा समान : कच्छ की कशीदाकारी को वैश्विक स्तर पर ख्याति दिलाई

2017 में पाबीबेन ने पाँच कारीगरों के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी और आज सैकड़ों महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों का सृजन किया है। पाबीबेन का हरी जरी वर्क लोकप्रिय है, तो मोर, पतंगिया (पतंगे), वृक्ष आदि प्राकृतिक घाट के टोट बैग, स्लिंग बैग तथा शॉपिंग बैग भी लोग पसंद करते हैं। उनकी हस्तकला बॉलीवुड तथा हॉलीवुड की फिल्मों में प्रदर्शित हो चुकी है। उनकी हस्तकला को स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूट-न्यूयॉर्क, द टेक्सटाइल म्यूजियम-वॉशिंग्टन डीसी, ताज ग्रुप ऑफ होटल्स तथा स्वीडन की तीन वैश्विक ब्रैंड्स में भी स्थान मिला है। विशेषकर उनके द्वारा की गई कशीदाकारी से तैयार केडियुं तथा कंजिरी रबारी परंपरा को आधुनिक पीढ़ी तक पहुँचाते हैं।

हाल में कच्छ की अंजार तहसील में स्थित पाबीबेन ने अपने उद्यम के जरिये ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता को उजागर किया है और कच्छ की समृद्ध भरतकाम विरासत को वैश्विक स्तर पर ख्याति दिलाई है। उन्होंने कच्छ ही नहीं, बल्कि समग्र राज्य की महिलाओं को प्रेरित किया है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज उद्यमिता को प्रोत्साहन देंगी

आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) में पाबीबेन जैसी उद्यमी महिलाओं की साफल्य गाथा प्रकाशित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वाइब्रेंट गुजरात समिट अंतर्गत गुजरात कुल चार स्थानों पर वीजीआरसी का आयोजन करने जा रहा है। इन कॉन्फ्रेंसेज का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को परंपरागत कौशल अपनाने एवं टिकाऊ आजीविका प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। वीजीआरसी राज्य की उद्यमिता को प्रदर्शित करेंगी एवं सृजनात्मकता को नए पंख देंगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

कश्मीर से सेब का निर्बाध परिवहन और मिजोरम के लिए पहला कार्गो परिचालन नए आर्थिक अवसरों के द्वार खोलेगा

● रेलवे की इन पहलों से न केवल स्थानीय किसानों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

● रेलवे की यह रणनीति सिर्फ माल ढुलाई का विस्तार नहीं है, बल्कि यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन की ओर बढ़ता ठोस कदम है।

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने सीमांत और दूर-दराज क्षेत्रों में अपनी माल ढुलाई सेवाओं के विस्तार के तहत एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत एक ओर जहां जम्मू-कश्मीर से सेबों की निर्बाध ढुलाई के लिए दिल्ली तक नियमित पार्सल ट्रेन सेवा शुरू की गई है, वहीं मिजोरम में पहली बार सीमेंट से लदी मालगाड़ी भेजी गई है। रेलवे की इन पहलों से न केवल स्थानीय किसानों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

कश्मीर घाटी के फल उत्पादकों को राहत देते हुए रेलवे ने 15 सितंबर से बड़गाम से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन के लिए एक विशेष पार्सल ट्रेन सेवा शुरू की है। यह सेवा प्रतिदिन संचालित होगी, जिससे सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सेब सही समय पर दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंच सकें। पार्सल वैन की यह सेवा न केवल तेज और समयबद्ध है, बल्कि इसकी सबसे

बड़ी खासियत यह है कि यह गंतव्य के बीच में आने वाले स्टेशनों पर भी माल उतारने की सुविधा देती है। इससे किसानों और व्यापारियों को बहुत लाभ मिलेगा। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। इससे किसानों की आय में भी इजाफा होगा।

मालगाड़ी की सुविधा से पहली बार जुड़ा मिजोरमः

पूर्वोत्तर भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार मिजोरम के सायरंग (आइजोल) स्टेशन के लिए मालगाड़ी सेवा शुरू की गई है। असम से 21 वैगन में सीमेंट लादकर रवाना की गई यह मालगाड़ी मिजोरम के निर्माण क्षेत्र को नई ताकत देगी। इससे न केवल निर्माण लागत घटेगी, बल्कि राज्य में औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है, सीमेंट, फल, स्टील और अन्य सामानों के परिवहन के लिए मिजोरम तक मालवाहक ट्रेनें चलेंगी। इससे रसद लागत कम होगी और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा सीमांत भारतः

रेलवे की इन पहलों को समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर और मिजोरम जैसे सुदूर भू-भागों को राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़कर रेलवे न केवल देश के एक कोने को दूसरे से जोड़ रहा है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदार बना रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे क्षेत्रीय बाजारों की क्षमता का सही उपयोग हो सकेगा और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। रेलवे की यह रणनीति सिर्फ माल ढुलाई का विस्तार नहीं है, बल्कि यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन की ओर बढ़ता ठोस कदम है, जिसमें हर क्षेत्र, चाहे वो कितने ही दूरस्थ क्यों न हों, विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

पश्चिम रेलवे द्वारा आरक्षण और टिकट बुकिंग सेवाओं हेतु डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन डिजिटल बनें... स्मार्ट यात्रा करें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने और यात्रियों को सुविधाजनक टिकटिंग विकल्प प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में अपने नेटवर्क में आरक्षित और अनारक्षित दोनों टिकट बुकिंग काउंटरों पर डिजिटल भुगतान सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला लागू की गई है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आधुनिक डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण ने यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग को और अधिक सुविधाजनक और सुलभ बना दिया है। अब वे मोबाइल ऐप, क्यूआर कोड-आधारित टिकटिंग और अन्य डिजिटल भुगतान विधियों सहित विभिन्न कैशलेस और संपर्क रहित विकल्पों के माध्यम से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, त्वरित और परेशानी मुक्त डिजिटल भुगतान चुनने के लिए प्रोत्साहित करना है। पश्चिम रेलवे कई उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जो यात्रियों को आसानी से और सुरक्षित रूप से अपनी टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करते हैं, जैसेः-

ⴹ क्यूआर कोड उपकरणः पश्चिम रेलवे के 1137 टिकट काउंटरों पर स्थापित, जिनमें यूटीएस, पीआरएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटर शामिल हैं, त्वरित और निर्बाध डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाते हैं। यात्री किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप से प्रदर्शित क्यूआर कोड को आसानी से स्कैन कर सकते हैं और तुरंत कैशलेस भुगतान कर सकते हैं - नकदी ले जाने की चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं।

ⴹ पीओएस मशीनेंः पीआरएस, यूटीएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटरों पर उपलब्ध हैं, जिससे यात्री अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड को स्वाइप या टैप करके आसानी से अपने

टिकट का भुगतान कर सकते हैं, जिससे त्वरित और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होता है।

ⴹ यूपीआई (श्ढअ) भुगतानः सभी पीआरएस और यूटीएस काउंटरों पर सक्षम, यह सुविधा यात्रियों को टिकट खरीदते समय काउंटर पर अपना यूपीआई वर्चुअल भुगतान पता (श्ढअ) साझा करने और सीधे अपने यूपीआई ऐप पर भुगतान अनुरोध को अधिकृत करने की अनुमति देती है, जिससे लेनदेन कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाता है।

ⴹ यूटीएस ऑन मोबाइल ऐपः यह ऐप यात्रियों को सीधे अपने स्मार्टफोन से अनारक्षित और सीजन टिकट आसानी से बुक करने की सुविधा देता है, जिससे बुकिंग काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। यह ऐप पेपर और पेपरलेस, दोनों तरह के टिकट विकल्प प्रदान करता है। पेपर टिकट कहीं से भी बुक किए जा सकते हैं और यात्रा शुरू करने वाले स्टेशन पर किसी भी ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (अळश्ट) या यूटीएस काउंटर पर प्रिंट किए जा सकते हैं, जबकि पेपरलेस टिकट बिना किसी काउंटर या एटीवीएम पर जाए पूरी तरह से डिजिटल रूप से प्राप्त किए जा सकते हैं, क्योंकि बाहरी बुकिंग सीमा हटा दी गई है। हैंडसेट की जीपीएस लोकेशन के आधार पर, आंतरिक बुकिंग सीमा 20 से 50 मीटर के बीच निर्धारित की गई है और यह उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों तरह के टिकटों पर लागू होती है।

ⴹस्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (अळश्ट): रिचार्जेबल स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके उपनगरीय और गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए एटीवीएम लंबे समय से एक लोकप्रिय विकल्प रही हैं। नए क्यूआर कोड भुगतान सुविधा के साथ, टिकट खरीदना और भी आसान हो गया है। यात्री एटीवीएम पर अपना टिकट बुक कर सकते हैं, किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप का उपयोग करके प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं, डिजिटल रूप से भुगतान कर सकते हैं और तुरंत अपना टिकट प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें पूरी तरह से कैशलेस, स्व-सेवा टिकटिंग अनुभव मिलता है।

श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि ये सुविधाएँ पश्चिम रेलवे के उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। ये पहल यात्रियों के लिए टिकटिंग को आसान, तेज और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ नकदी पर निर्भरता कम करने और एक सुगम, कतार-मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई हैं। ये सुविधाएँ सुरक्षित, सुविधाजनक और संपर्क रहित टिकटिंग समाधानों को अपनाने को प्रोत्साहित करके भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल में भी योगदान देती हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी आठ जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य सेबांद्रा टर्मिनस-बरौनी, बांद्रा टर्मिनस-रीवा, उधना-बरौनी, उधना-बलिया, उधना-जयनगर, उधना-समस्तीपुर, गांधीधाम-सियालदह और भावनगर-शकुरबस्ती स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 19.15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09062 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बरौनी से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फरुर्खाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित विशेष (साप्ताहिक) [22 फेरे]

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा विशेष ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 04.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.45 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन 18 सितंबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को रीवा से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, मदन महल, कटनी, मैहर और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना - बरौनी स्पेशल (द्विसाप्ताहिक) [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः गुरुवार और सोमवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 07 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को बरौनी से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या09041/09042 उधना-बलिया स्पेशल (साप्ताहिक) [6फेरे]

ट्रेन संख्या09041 उधना - बलिया स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 06:40 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:15 बजे बलिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या09042 बलिया-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 23:30 बजे बलिया से प्रस्थान करेगी और रविवार को 12.45 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, विश्वामित्री, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जंक्शन, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार और गाजीपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

5. ट्रेन 09067/09068 उधना - जयनगर स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09067 उधना - जयनगर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर - उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 12:30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

6. ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना - समस्तीपुर स्पेशल (साप्ताहिक) [6 फेरे]

ट्रेन संख्या 09069 उधना - समस्तीपुर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02:00 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर - उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 07 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर और एसी -3 टियर (इकोनॉमी)कोच होंगे।

7. ट्रेन संख्या09437/09438 गांधीधाम-सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) [8फेरे]

ट्रेन संख्या09437 गांधीधाम - सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 18:25 बजे गांधीधाम से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09438 सियालदह-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार 05:15 बजे सियालदह से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02:00 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सामाख्याली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिजार्पुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर और बर्द्धमान स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

8. ट्रेन संख्या09257/09258 भावनगर टर्मिनस - शकूर बस्ती स्पेशल (साप्ताहिक) [22फेरे]

ट्रेन संख्या09257 भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्ती-भावनगर टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 29 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सीहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09437 एवं 09257 की बुकिंग 16 सितंबर, 2025 से, जबकि ट्रेन संख्या 09061, 09033, 09041, 09067 एवं 09069की बुकिंग 17 सितंबर, 2025 सेसभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना में हिंदी पखवाड़ा - 2025 का शुभारंभ

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़ा - 2025 के अंतर्गत दो सप्ताह तक आयोजित की जाएँगी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएँ

भावनगर परा स्थित पश्चिम रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15-09-2025 को हिंदी पखवाड़ा झ 2025 का शुभारंभ किया गया। दो सप्ताह तक चलने वाले इस पखवाड़े में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। कारखाने के अधिकारी झ कर्मचारी इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। 15 सितंबर से शुरू हुए इस पखवाड़े का समापन 29 सितंबर को पुरस्कार वितरण कर किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना के राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। आज हिंदी पखवाड़े के अवसर पर कारखाने के उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री सौरभ सिंह ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक महोदय श्री विवेक कुमार गुप्ता के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया और कर्मचारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने को कहा। श्री सौरभ सिंह ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेशानुसार 14 सितंबर को हिंदी दिवस के पश्चात भावनगर परा स्थित रेलवे के सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए यह पखवाड़ा मनाया जाता है। 15 सितंबर को पखवाड़े की विधिवत शुरूआत की गई और ह्यअपनी पसंद अपनी प्रस्तुतिह्ल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कारखाने के कर्मचारियों ने अपनी पसंद की विधा में प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और हिंदी में काव्यपाठ, व्यंग्य, कहानी, भाषण, गीत आदि जैसी विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं।

राजभाषा विभाग की ओर से सहायक वित्त सलाहकार एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी श्री रत्नेश कुमार ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के आयोजन का उद्देश्य अधिकारियों-कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी से जुड़े संवैधानिक दायित्वों के प्रति जागरुक करना और उन्हें सभी कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित करना होता है। पखवाड़ा झ 2025 के दौरान 16 सितंबर को अधिकारियों के लिए राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता, 17 सितंबर को हिंदी टिप्पण और सुलेखन प्रतियोगिता, 18 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता और 19 सितंबर को अधिकारीगण के लिए फोटो कैप्शन प्रतियोगिता और कर्मचारीगण के लिए सामान्य एवं राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। श्री रत्नेश कुमार ने बताया कि 29 सितंबर को सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करके इस पखवाड़े का विधिवत समापन किया जाएगा।

हिंदी पखवाड़े का आयोजन राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किया जाता है। इस दौरान अधिकारियों -

कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में काम करने में मदद करने के साथ ही उन्हें इससे जुड़ी जानकारी भी प्रदान की जाती है।

19 सितम्बर से प्रत्येक शुक्रवार को भावनगर टर्मिनस और शकूर बस्ती स्टेशनों के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल से एक और महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की जा रही है। भावनगर टर्मिनस से शकूर बस्ती के बीच विशेष किराए पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर डिविजन श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसारः-

ट्रेन का विवरण

● ट्रेन संख्या 09257 भावनगर टर्मिनस झ शकूर बस्ती साप्ताहिक स्पेशल

यह ट्रेन 19 सितम्बर, 2025 से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शनिवार को प्रातः 10.35 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी।

● ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्ती झ भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल

यह ट्रेन 20 सितम्बर, 2025 से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को शकूर बस्ती से दोपहर 13.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रविवार को प्रातः 10.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

ठहराव

दोनों दिशाओं में यह ट्रेन भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाना, पालनपुर जं., आबूरोड, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर जं., किशनगढ़, जयपुर जं., गांधीनगर जयपुर, दौसा जं., बांदीकुई जं., अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर ठहरेगी।

संरचना

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी कोच सम्मिलित रहेंगे।

आरक्षण

ट्रेन संख्या 09257 के लिए टिकटों की बुकिंग 16 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर प्रारंभ होगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि इस ट्रेन के समय, ठहराव एवं संरचना के बारे

पश्चिम रेलवे चलाएगी गांधीधाम-सियालदह और भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए गांधीधाम-सियालदह और भावनगर टर्मिनस-शकूर बस्ती (दिल्ली) के बीच विशेष किराये पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। विवरण इस प्रकार हैः

● ट्रेन संख्या 09437/09438 गांधीधाम-सियालदह-गांधीधाम स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09437 गांधीधाम-सियालदह स्पेशल 17 सितंबर 2025 से 8 अक्टूबर 2025 तक प्रति बुधवार गांधीधाम से 18.25 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09438 सियालदह - गांधीधाम स्पेशल 20 सितंबर 2025 से 11 अक्टूबर 2025 तक प्रति शनिवार सियालदह से 05.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 02.00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन सामाख्याली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिजार्पुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, भभुआ रोड,सासाराम, डेहरी ओनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारी बाग, पारसनाथ, एनएससी बॉस गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर एवं बर्द्धमान स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

● ट्रेन संख्या 09257/09258 भावनगर टर्मिनसझ्झशकूर बस्ती स्पेशल (22 फेरे)

ट्रेन संख्या 09257 भावनगर टर्मिनसझ्झशकूर बस्ती स्पेशल 19 सितंबर 2025 से 28 नवंबर 2025 तक प्रति शुक्रवार भावनगर टर्मिनस से 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09258 शकूर बस्तीझ्भावनगर टर्मिनस स्पेशल 20 सितंबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति शनिवार शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबड़ी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09437 और 09257 की बुकिंग 16 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

16-17 सितंबर की रात में 5 घंटे के लिए महेसाणा-हिम्मतनगर हाइवे

पर रेलवे फाटक नं. 69 सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा-हिम्मतनगर हाईवे पर वसई स्थित रेलवे फाटक नं. 69 रेलवे ट्रेक की मशीन टेंपिंग कार्य हेतु 16-17 सितंबर 2025 की रात में 5 घंटे के लिए सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा। जो इस प्रकार हैः

आंबलियासन-विजापुर रेलवे लाइन गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत महेसाणा-हिम्मतनगर हाईवे पर वसई स्थित रेलवे फाटक नं. 69 पर ट्रेक की मशीन टेंपिंग कार्य किया जाना प्रस्तावित है। तदनुसार रेलवे फाटक नं. 69 दिनांक 16 सितंबर 2025 को रात्रि 23:30 बजे से 17 सितंबर 2025 को प्रातः 04:30 बजे तक सड़क यातायात के लिए बंद रहेगा।

सांसद अवधेश प्रसाद बोले- महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि, लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखना जरूरी

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने सोमवार को वाराणसी प्रवास के दौरान सत्ताधारी भाजपा पर जमकर निशाना साधा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने चुनावी पारदर्शिता, सेना, क्रिकेट और सामाजिक मुद्दों पर राय दी।

सांसद ने सबसे पहले मां के सम्मान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार की मां का अपमान अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री की मां को लेकर बिहार में दिए गए बयान की जांच की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि मां का स्थान हर संस्कृति में सबसे ऊंचा है।

चुनावी प्रक्रिया पर भी उन्होंने सवाल उठाया। उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में उनके बेटे अजीत प्रसाद को हराने के लिए सत्ता पक्ष ने खुलेआम गड़बड़ी कराई। यह केवल वोट चोरी नहीं बल्कि लोकतंत्र की नींव को हिलाने वाली घटना थी।

टीम से हाथ न मिलाना स्वाभिमान का प्रतीक

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर सांसद ने कहा कि देश की जनता इस मुकाबले से सहज नहीं थी। बावजूद इसके जब खेल हुआ तो भारतीय टीम ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि इस जीत ने तिरंगे की शान को नई ऊंचाई दी है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि खिलाड़ियों का पाकिस्तान टीम से हाथ न मिलाना स्वाभिमान का प्रतीक है। यह फैसला केवल खेल भावना का हिस्सा नहीं था बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का प्रतिबिंब भी था। उन्होंने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया।

सपा खत्म कर देगी अग्निवीर योजना

भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव द्वारा जीत को सेना को समर्पित किए जाने पर सांसद ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जवानों का त्याग और साहस हमेशा प्रेरणा देता है। सेना का सम्मान करना हर नागरिक का फर्ज है और यही सच्ची देशभक्ति है।

अग्निवीर योजना पर उन्होंने सख्त रुख दिखाया। सांसद ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो यह योजना 24 घंटे में खत्म कर दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुरानी भर्ती व्यवस्था को बहाल कर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया जाएगा।

महिलाओं को मिले बराबरी और सम्मान

रामभद्राचार्य के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद ने कहा कि भारत की संस्कृति में नारी को हमेशा पूजनीय माना गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत सोच अलग हो सकती है लेकिन देश में महिला का सम्मान सर्वोपरि है और यही परंपरा हमारी पहचान है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज तभी प्रगति कर सकता है जब महिलाओं को बराबरी और सम्मान मिले। सांसद ने कहा कि नारी शक्ति का आदर ही भारतीय सभ्यता का सबसे मजबूत स्तंभ है और इसे किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं होने देना चाहिए।

वहीं पुलवामा शहीदों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक मौजूदा सरकार की नीतियां बदलेंगी नहीं तब तक परिवारों को न्याय नहीं मिल सकेगा। उन्होंने दावा किया कि सत्ता परिवर्तन ही असली बदलाव ला सकता है और लोकतंत्र की गरिमा बहाल कर सकता है।

हसवा के घरवासीपुर के दंगल में पहलवान ने दिखाया दांव पेंच।

श्री राम लम्हेटा मोनू सिंह को पराजित कर जीता दंगल

दो दर्जन हुई कुश्ती

असोथर। हसवा विकासखंड के घरवासीपुर मेला व दंगल का आयोजन हुआ दंगल का शुभारंभ कमेटी अध्यक्ष चिरकु गोस्वामी, मुन्ना गुप्ता पिंटू गुप्ता किया और पहलवान का हांथ मिलवाया दो दर्जन कुश्ती हुई। घनश्याम जालौन गोरेलाल नरौली फतेहपुर के बीच कुश्ती हुई जिसमें गोरेलाल बिजाई राशिद मार्क कुलदीप

बेरूई के बीच कुश्ती हुई रसीद मार्ग का विजई लकी दामपुर बंटू फतेहपुर बंटू विजई श्री राम लम्हेटा फतेहपुर मोनू जालौन 11000 किस्त हुई जिसमें श्री राम विजाई रामसेवक उरवली केशन गोपाल गोकन गोकुन के बीच 5000 कुश्ती हुई रामसेवक विजई। महिला पहलवान ने आनंद दमखम दिखाया

इस मौके पर अध्यक्ष चिरकु गोस्वामी, पिंटू गुप्ता ,अनिल दुबे, मुन्ना गुप्ता, शशिकांत दुबे ,सुनील दुबे, रामलाल पासवान, श्याम सिंह यादव ,प्रमोद सिंह, बुचुन सिंह , ललित सैनी आशुतोष विश्वकर्माआदि उपस्थित रहे।

पुरानी मस्जिद के पास विस्फोट में मौत मामले में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सार्वजनिक स्थल पर काम करने की धारा में मुकदमा दर्ज

धाता/फतेहपुर 15सितम्बर। नगर क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी मस्जिद के पास घनी आबादी में शनिवार रात को हुए विस्फोट में महरुन निशा की मौत हो गई थी। लेकिन धाता पुलिस एवं मृतका के घर वाले मिलकर मौत का कारण शार्ट सर्किट से होने को सिद्ध करने पर आमादा थे वहीं आज क्षेत्राधिकार खागा की सख्ती के चलते घर वालों ने पटाखा बनाने के समान से हुए विस्फोट को स्वीकार किया और पुलिस द्वारा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सार्वजनिक स्थल पर काम करने की धारा में मुकदमा दर्ज कर चालान भेजा।

शनिवार को लगभग आधी रात हुए विस्फोट के समय मकान के ऊपरी मंजिल में मेहरुन्निसा वह उसके नाटी नाटी मरियम और हैदर दादी के पास सोए हुए थे गृह स्वामी इरफान उसका भाई इस कमरे में 12 बारूद से पटाखा बना रहे थे विस्फोट होने पर दोनों भाई कूद कर भाग गए और मेहरुन्निसा की मृत्यु हो गई पास में लेते दोनों बच्चे घायल हो गए जिन्हें किसी तरह से बाहर निकल गया बताते हैं की बारूद से मृतक्का के पेट और माथे पर बड़े घाव के साथ झूलने से मौत हुई घरवालों ने सुबह 9:00 बजे तक मामले को छुपाए रखा दाह संस्कार की व्यवस्था हो रही थी। पुलिस भी लगभग 9 घंटे तक अभिज्ञा बनी रही सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से जब खबरें आम जनता तक पहुंचने लगी तब धाता पुलिस मौके पर पहुंची। एक घंटे बाद को क्षेत्राधिकारी खागा भी मौके पर पहुंच गए। बताते चलें की पुलिस मामले को दबाना इसलिए चाहती थी क्योंकि 4 साल से पटाखा बनाने का धंधा बिना लाइसेंस और घनी आबादी में चल रहा था लाइसेंस बनवाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन अभी तक उसमें कामयाबी नहीं मिली थी।

पुलिस ने पत्रकारों पर घटनास्थल पर जाने की पाबंदी लगा दी। जिसके चलते मामला और संदिग्ध होता गया। घटना की जानकारी के बाद दिन भर पुलिस विस्फोट की घटना को बिजली के शार्टसर्किट से फ्रिज फटने को घटना का कारण सिद्ध करने में जुटी रही। मृतका के घर वाले भी साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से घटना में घायल बच्चों मरियम एवं हैदर को कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया था ताकि किसी को पता ना चल सके।

क्षेत्राधिकार की सख्ती के चलते इरफान ने पटाखा बनाते समय विस्फोट होने की बात कबूल की साथ ही घायल बच्चों के विषय में भी बताया देर रात धाता पुलिस ने इरफान के खिलाफ गैर इरादतन हत्या विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं सार्वजनिक स्थल पर काम करने की धारा में मुकदमा लिखकर जेल भेज दिया।

आखिर नीले ड्रम में क्यों छुपाई गई युवक की लाश? पुलिस ने सुलझाई गुत्थी, रिश्तेदार ही निकले कातिल

(जीएनएस)।

यूपी के आगरा में करीब 20 महीने पहले जिस गुमशुदगी ने पुलिस को उलझा दिया था अब उसका राज खुल गया है। पुलिस ने खुलासा किया है कि 18 साल के राकेश की हत्या उसके ही मुंह बोले मामा और ममेरे भाई ने मिलकर की थी।

उसका शव 20 फरवरी 2024 को जली हुई हालत में मिला था। चेहरा पहचान से बाहर था। पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए डीएनए टेस्ट कराया। रिपोर्ट मां से मैच हुई तो साफ हो गया कि यह शव राकेश का ही है।

मामला शुरू में अंधेरे में तीर चलाने जैसा था लेकिन लगातार खोजबीन से पुलिस कातिल तक पहुंच गई। सोमवार को पुलिस ने आधिकारिक तौर पर इसका खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दूसरा आरोपी अब भी फरार है।

बेटी के वीडियो से शुरू हुआ पूरा विवाद

मुख्य आरोपी देवीराम ने पूछताछ में बताया कि राकेश ने उसकी 16

साल की बेटी का नहाते वक्त वीडियो बना लिया था। वह लगातार धमकाकर ब्लैकमेल कर रहा था। इससे तंग आकर उसने भतीजे नित्यानंद के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

आरोपियों ने राकेश को अपनी दुकान पर बुलाया। रात में तार और मफलर से गला दबाकर उसे मार दिया। इसके बाद शव को नीले ड्रम में बंद कर लोडर से सुनसान जगह ले गए और पेट्रोल डालकर जला दिया। सबूत छिपाने के लिए मोबाइल और तार नदी में फेंक दिए।

गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे थे पिता

राकेश के पिता लाल सिंह ने 18 फरवरी 2024 को थाने में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस शुरूआत में अपहरण की आशंका पर काम कर रही थी। दो दिन बाद जब जला हुआ शव मिला, तभी शक की दिशा बदल गई।

गांव वालों से पूछताछ के दौरान पता चला कि राकेश और देवीराम के बीच विवाद हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपी को उठाया। पहले तो उसने गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन फोन से मिले ऑडियो क्लिप्स ने पूरी सच्चाई खोल दी।

फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें

हत्या के बाद देवीराम दिल्ली भाग गया और वहां नौकरी करने लगा। काफी समय तक उसने दुकान भी बंद रखी। पुलिस ने लंबे समय तक पीछा किया और आखिरकार उसे दबोच लिया। हालांकि उसका भतीजा नित्यानंद अब भी फरार है।

पुलिस की टीमें नित्यानंद की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि बहुत जल्द उसे भी पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर और सुराग इकट्ठे किए जा रहे हैं।

आंगनवाड़ी केंद्र की रंगाई पुताई में किया गया लाखों रुपए का भ्रष्टाचार

प्रधान के द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र की तीन बार करवाई गई पुताई

खखरेरू /फतेहपुर जैसे-जैसे ग्राम पंचायत के चुनाव नजदीक आ रहे हैं ग्राम पंचायत में हुए विकास के नाम पर भ्रष्टाचार की कलंक कथा उजागर होना शुरू हो गई

धाता विकास खंड के ग्राम सभा तेंदुआ में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का लाखों रुपए का खेल खेला गया प्रधान के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र की तीन बार 3 महीने के अंतराल में रंगाई पुताई का कार्य करवाया गया जिसमेंआंगनबाड़ी केंद्र के पुताई के नाम पर तीन बार वॉल पेंटिंग व रंगाई पुताई के नाम पर तीन बार पैसा निकालने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया ग्रामीणों ने बताया कि 3 फरवरी 2025 को आंगनबाड़ी केंद्र में वॉल पेंटिंग के नाम पर एक लाख रुपए निकल गए 7 अप्रैल 2025 को आंगनबाड़ी केंद्र में रंगाई पुताई के नाम पर 78164 रुपए 16 मई 2025 को आंगनबाड़ी केंद्र में वॉल पेंटिंग के नाम पर 118777 रुपए निकलने कि बात बताइए प्रधान जी के द्वारा आंगनबाड़ी की रंगाई पुताई के नाम पर लाखों रुपए का घोटाला करने का आरोप लगाया है इस संबंध खंड विकास अधिकारी रत्नाकर ने बताया कि इस संबंध में मुझे जानकारी अभी नहीं है अगर ऐसा प्रकरण हुआ है तो मामले की जांच करवाई जाएगी।

एम आई टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी ने खेती के कचरे से ग्रीन हाइड्रोजन और बायो-सीएनजी बनाने के लिए कार्बन-नेगेटिव तकनीक विकसित की

एम आई टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के ग्रीन हाइड्रोजन रिसर्च सेंटर के शोधकताओं ने डॉ. रत्नदीप जोशी (टक्ळ-हढव में ग्रीन हाइड्रोजन रिसर्च सेंटर के एसोसिएट डायरेक्टर) की अगुवाई में कार्बन-नेगेटिव प्रक्रिया विकसित की है, जो इनोवेटिव होने के साथ-साथ खेती के अलग-अलग तरह के कचरे से बायोसीएनजी और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में मददगार है। इससे ऊर्जा के क्षेत्र में स्वच्छ और किफायती तरीके से आत्मनिर्भर बनने की राह आसान हो गई है। ये इनोवेशन देश के आत्मनिर्भर भारत मिशन और लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के विचारों को आगे बढ़ाता है। साथ ही यह राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के भी अनुरूप है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक सालाना 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

यह विचार किसानों के साथ लगातार हुई बातचीत से सामने आया, जो कम समय में लगातार बारिश, लंबे समय तक सूखा और बार-बार आने वाले चक्रवातों जैसे जलवायु परिवर्तन के बुरे प्रभावों के साथ-साथ भारी मात्रा में खेती के कचरे को संभालने को लेकर परेशान रहते थे। बायोमास को गैस में बदलने के पुराने तरीके उतने कारगर नहीं थे, जिससे सिर्फ 5-7 प्रतिशत गैस तैयार हो पाती थी।

डॉ. जोशी ने कहा, "पहले भी बहुत बार कोशिश की गई, जिसमें सिर्फ धान के पुआल या नेपियर घास जैसे एक ही तरह के कच्चे माल का उपयोग किया गया। लेकिन उसके विपरीत, इस रिसर्च ने बाजरे तथा दूसरी मौसमी फसलों के अलग-अलग तरह के कचरे से यह कामयाबी हासिल की है। यह तरीका खास तौर पर कम बारिश और सूखे वाले इलाकों के लिए बहुत कारगर है। रिसर्च के दौरान, बायोमास को गैस में बदलने की क्षमता को 12% तक पहुँचाने के लिए बायो-कल्चर विकसित किया गया।एम आई टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के परिसर में एक पायलट प्लांट बनाया गया है जिसकी क्षमता 500 किलो/दिन है। इसे चार पेटेंट भी

मिल चुके हैं और इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह तैयार बायोगैस में मीथेन की मात्रा ज्यादा थी, जिसका इस्तेमाल ग्रीन कैटेलिटिक पायरोलिसिस प्रक्रिया के जरिए ग्रीन हाइड्रोजन बनाने के लिए किया गया।"

एम आई टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के पीएचडी रिसर्च स्कॉलर, अनिकेत पात्रीकर ने कहा, "हमने पौधों से प्राप्त एक पायरोलिसिस कैटेलिस्ट इस्तेमाल किया है, जिससे ग्रीन हाइड्रोजन तैयार करते समय कार्बन डाइऑक्साइड बाहर नहीं निकलती है। और इसकी वजह से महंगे कार्बन कैप्चर सिस्टम की जरूरत नहीं रहती है। इस प्रक्रिया से बायोचार भी बनता है, जो एक फायदेमंद बायप्रोडक्ट है और इसका इस्तेमाल फार्मास्यूटिकल्स, कॉस्मेटिक्स, खाद और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में होता है।"

टक्ळ वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के पीएचडी रिसर्च स्कॉलर, अविनाश लाड ने इस बात पर जोर देते हुए कहा, "दुनिया की निगाहें इलेक्ट्रोलिसिस पर टिकी हैं, पर ये अभी भी काफी महँगा है, जिसकी लागत 2 डॉलर प्रति किलोग्राम से भी ज्यादा है। हमारी प्रक्रिया में कार्बन नहीं निकलता, जो बेहद किफायती और बड़े स्तर पर इस्तेमाल के लायक है। इसमें ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का खर्च घटाकर 1 डॉलर प्रति किलोग्राम तक लाने के साथ-साथ भारत में खेती के कचरे की समस्या को सुलझाने की क्षमता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत के लिए 2070 तक नेट-जीरो इमिशन का लक्ष्य रखा है। जमीनी स्तर पर कामयाब साबित होने वाले इस तरह के इनोवेशन के साथ, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2050 तक नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है। इस तरह हमारा देश स्वच्छ, रिन्यूएबल और सस्टेनेबल एनर्जी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे हो सकता है।"

टक्ळ वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट, डॉ. राहुल कराड ने कहा, "टक्ळ-हढव का मानना है कि यूनिवर्सिटी का काम बस छात्रों को पढ़ाना नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे समाधान भी तैयार करने चाहिए जो सीधे तौर पर समाज और देश के काम आएँ। ये रिसर्च हमारे लिए बड़े गौरव की बात है, जिससे जाहिर होता है कि किस तरह रिसर्च, इनोवेशन और समाज के प्रति जिम्मेदारी के सही तालमेल से जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का समाधान निकाला जा सकता है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि, यह इनोवेशन सिर्फ.लैब में किया जाने वाला प्रयोग नहीं है; बल्कि यह बड़े स्तर पर काम में आने लायक, उपयोगी और भारत की जमीनी हकीकत से जुड़ा हुआ है। मैं इसे एक बड़ा कदम मानता हूँ, जो किसानों को सक्षम बनाएगा, सस्टेनेबल इंडस्ट्री को सहारा देगा और हमारे छात्रों को तैयार करेगा कि वे आने वाले समय में भारत को हरा-भरा और आत्मनिर्भर बनाएँ।"

इस प्रक्रिया में बायप्रोडक्ट के तौर पर बायोफर्टिलाइजर भी तैयार होते हैं, जिनका इस्तेमाल खेती में यूरिया की जगह किया जा सकता है। टीम को ग्रीन-कोटेड, और धीरे-धीरे रिलीज होने वाले बायोफर्टिलाइजर के लिए दो पेटेंट मिले हैं, जो यूरिया जैसे केमिकल वाले खाद पर निर्भरता कम करने और मिट्टी में नमक की मात्रा कम करके खेती को बेहतर बनाने में मदद करेंगे, क्योंकि मिट्टी में ज्यादा नमक की मौजूदगी भारतीय खेती के लिए सबसे बड़ा खतरा है जो लंबे समय से बरकरार है।

यूरिया पानी सोखता है और मॉनसून में देरी होने पर फसल की जड़ों से पानी खींच लेता है, लेकिन उसके मुकाबले ये बायोफर्टिलाइजर केवल पानी मौजूद होने पर ही ठढड न्यूट्रिएंट्स रिलीज करते हैं। इससे किसानों को मदद मिलेगी और देश के ग्रामीण इलाकों में फसल की पैदावार बढ़ेगी, और साथ ही उन्हें ऐसी अर्थव्यवस्था का फायदा भी मिलेगा जिसमें कचरा फिर से इस्तेमाल हो सकता है। प्रो. जोशी ने बताया, "बायोफर्टिलाइजर का उपयोग करके, हम कार्बन को सोखने में मदद कर रहे हैं और ग्रीनहाउस गैसों के निकलने से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम कर रहे हैं।"

इस इंडस्ट्रियल इनोवेशन ने ऊर्जा क्षेत्र का ध्यान पहले ही अपनी ओर खींच लिया है। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा हजारों उइॠ और हाइड्रोजन यूनिट्स स्थापित करने की योजना को देखते हुए, कई जाने-माने एंटरप्रेन्योर्स ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए टक्ळ-हढव के साथ साझेदारी में दिलचस्पी दिखाई है। यूनिवर्सिटी उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सहयोग का भी स्वागत करती है, जिससे छात्रों को इंडस्ट्री के लिए तैयार किया जाता है और हुनरमंद युवा देश को मजबूत बनाने में योगदान दे पाते हैं।

लखनऊ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश श्रीमती बबीतारानी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जनपद न्यायालय, लखनऊ में माननीय जनपद न्यायाधीश श्रीमती बबीता रानी की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में श्री रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, विशेष न्यायाधीश सीबीआई सेन्ट्रल/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत तथा श्रीमती मीनाक्षी सोनकर अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में जनपद न्यायालय लखनऊ सहित मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय परिसर, वाणिज्यिक न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, कलेक्ट्रेट एवं समस्त तहसीलों आदि में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज दिनांक 13.09.2025 को किया गया जिसमें जनपद न्यायालय में विशेष न्यायाधीश ई0सी0एक्ट द्वारा 105 मामलें, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 7165 मामलें, विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ;कस्टमद्ध द्वारा 1147 मामलें, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ;अयोध्या प्रकरणद्ध द्वारा 924 मामलें तथा अन्य मजिस्ट्रेट न्यायालयों द्वारा 11910 मामलें, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के कुल 197 मामलें, वाणिज्यिक न्यायालय के 10 मामलें तथा पारिवारिक न्यायालय के 273 मामलों सहित न्यायालय में लम्बित कुल 22817 वादों का निस्तारण कर कुल रू0 558534886/- की धनराशि वसूल की गयी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व के कुल 100755 वाद तथा अन्य 238909 प्रकरणों सहित कुल 339664 मामलों का निस्तारण कर कुल रू0 136356286/- की धनराशि वसूल हुयी। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 362481 मामलों का निस्तारण कर कुल रुपए 694891172/- की धनराशि वसूल की गयी।

तालाब पाटकर ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा, ग्रामीणों ने की शिकायत

खागा। कोतवाली क्षेत्र के सेमौरी गांव में कुछ लोगों द्वारा ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर चबूतरा बनवा लिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वहां 20 फुट ऊंचा झंडा भी लगा दिया गया है और जगह को "अम्बेडकर चौराहा" बताकर बैठकों का आयोजन किया जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि अरविंद, फूलचंद्र, कंधई, बाबूलाल, रामदुलारे, साजन, अनिल, रोहित, राजू, शारदा आदि लोगों ने मिलकर जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। आरोप है कि इन बैठकों में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों पर अभद्र टिप्पणियां भी की जाती हैं।

शिकायत करने वाले ग्रामीणों में गोपाल कृष्ण, रामसेवक, अमित साहू, जयपाल और भोले आदि शामिल रहे। उनका कहना है कि जब भी कब्जा हटाने की बात की जाती है, तो आरोपी लोग एकजुट होकर लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

मामले में एसडीएम अभिनीत सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। जांच कराई जा रही है और यदि कब्जा अवैध पाया गया तो कार्रवाई कर जमीन मुक्त कराई जाएगी।